ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 07-11-2022

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-11-07 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-11-08	2022-11-09	2022-11-10	2022-11-11	2022-11-12
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	29.0	29.0	29.0	28.0	28.0
न्यूनतम तापमान(से.)	15.0	15.0	14.0	14.0	13.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	75	75	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	35	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	130	130	130	130	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	4	1	3	4	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों (31 अक्टूबर - 6 नवम्बर, 2022) में 0.0 मिमी वर्षा हुई व आसमान साफ रहन। अधिकतम तापमान 27.5 से 30.0 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 13.9 से 16.7 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 84 से 91 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 42 से 54 प्रतिशत एवं हवा 0.1 से 1.2 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पूर्व-उत्तर-पूर्व व पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से चली| आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 28.0-29.0 व 13.0-15.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0 किमी/घंटे की गति से दक्षिण-पूर्व व उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 9 से 15 नवम्बर के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से कम, अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

आईएमडी मौसम पूर्वानुमान और आपके स्थान की कृषि मौसम संबंधी सलाह अब मेघदूत मोबाइल ऐप पर अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है। कृपया निम्न लिंक से डाउनलोड करें: एंड्रॉयड: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot आईओएस: https://apps.apple.com/in/app/meghdoot/id1474048155

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। किसान भाई रबी फसलों की बुवाई हेतु खेत तैयार करें व फसलों की बुवाई से पूर्व बीज उपचार अवश्य करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मसूर की दाल	मसूर की सामान्य बुवाई नवम्बर के प्रथम पखवाड़े में करें। मसूर की उन्नतशील प्रजातियों पंत मसूर-8, पंत मसूर-7, पंत मसूर-6, डी0पी0एल0-7 आदि की बीज की दर 30-40 कि0ग्रा0/है0 रखें तथा बुवाई हेतु कतार से कतार की दूरी 25 से0मी0 रखें।
चना	सिंचित दशा में दलहनी फसलों - चना, मसूर तथा मटर की बुवाई इस माह कर सकते है। चने की किस्में जैसे- पूसा 256, के 850, अवरोधी, पंत जी-114, पंत जी-186, पंत काबुली चना-1 को सिंचित अवस्था में 6-8 सेंटीमीटर गहराई पर 45 सेंटीमीटर की दूरी पर पंक्तियों में बोना चाहिए। 1 ग्राम कार्बेन्डाजिम और 2 ग्राम थायरम के मिश्रण से बीजोपचार करें। उसके बाद बीज को राइजोबियम कल्चर और फॉस्फोरस सॉल्यूबल कल्चर से भी उपचारित करना चाहिए।
गेहूँ	असिंचित दशा में गेंहूँ की बुवाई माह के प्रथम सप्ताह व सिंचित दशा में प्रथम पखवाड़े में करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सब्जी पीईए	जिन क्षेत्रो मे मटर की बुवाई नही हुई है वहा बीज की बुवाई करें। तराई क्षेत्र में बीज की बुवाई द्वितीय सप्ताह तक अवश्य कर लें। जिसके लिए 80-90 किग्रा बीज/है0 की आवश्यकता होती है। मटर के लिए 25 किग्रा नत्रजन, 70 किग्रा फॉस्फोरस व 50 किग्रा पोटाश की आवश्यकता होती है। जिसे बीज बोने से पहले खेत मे अच्छी तरह मिलाकर बीज की बोवाई कतारो मे 30 सेमी की दूरी पर करें।
गोभी	फूलगोभी की अगेती एवं मध्यम अगेती फसल की सिंचाई करें, खरपतवार निकाले एवं तैयार फूलो को तोड़कर बाजार भेंजे। पछेती गोभी की पौध तैयार हो चुकी है तो उसकी रोपाई इस माह कर सकते है जिसके लिए सामान्य भूमि में 150 किग्रा नत्रजन, 80 किग्रा फॉस्फोरस व 60 किग्रा पोटाश की संस्तुति की जाती है। जिसमे से आधी नत्रजन एवं सम्पूर्ण फॉस्फोरस व पोटाश खेत की अंतिम जुताई के समय डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	जिन पशुओं में एफ0एम0डी0 (मुखपका खुरपका) रोग के टीके नही लगें है उन पशुओं में तत्काल टीकाकरण करा लें। ताकि आपका पशुधन स्वस्थ रहे और उससे लगातार आपको सही उत्पादन प्राप्त होता रहें। खुरपका मुखपका के लक्षण- आँखें लाल होना, तेज बुखार होना, उत्पादन तथा आहार ग्रहण करने की क्षमता में कमी होना, मुहँ में छाले होना,लार गिरना समय से उपचार न मिलने की दषा में पशु के खुरों में घाँव बनना जिसकी वजह से पशुओं का लंगड़ाकर चलना आदि। रोग के लक्षण पता चलते ही रोगी पशुओं को अन्य स्वस्थ पशुओं से तत्काल अलग कर दें। निकटतम पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार उपचार करायें तथा स्वस्थ पशुओं को चारा देने के उपरांत ही अंत में पीड़ित पशुओं को मुलायम हरा चारा दें। तदुपरांत हाथों को लाल दवा से अच्छी तरह साफ करें।